केस स्टडी

नंबर 3

गरीबों को योजनाओं का लाभ नहीं

झारखण्ड के देवघर जिले की कौशल्या देवी महिलाओं के लिये आरक्षित गहुआ ग्राम पंचायत की दूसरी बार मुखिया बनी हैं जो जिले के सरवन विकास खण्ड में आता है। उनके पति पेशे से तो किसान हैं किन्तु राजनीति उनमें रची –बसी है (वह पिछले तीन दशकों से राष्ट्रीय जनता दल से जुड़े हैं)। कौशल्या देवी के पति की सक्रियता और उनके सहयोगी व्यवहार के कारण ही लोगों ने ग्राम पंचायत के मुखिया पद की आरक्षित सीट पर कौशल्या देवी को लड़ाने का सुझाव दिया। चुनाव जीतकर कौशल्या देवी गहुआ ग्राम पंचायत की दूसरी बार मुखिया भी बन गयीं। कौशल्या देवी का दूसरी बार चुनाव जीतना उनके पिछले कामों का परिणाम तो है किन्तु यह उनके पति की स्वीकार्यता और स्थानीय स्तर पर उनके प्रभाव को भी दिखाता है।

नामः	कौशल्या देवी
उम्रः	45 वर्ष
शिक्षाः	आठवीं तक
मुखियाः	दूसरी बार (वर्ष 2010 से)
अनुभवः	पति राजनीति में

ग्राम पंचायतः	गहुआ
पंचायत समितिः	सरवन
जिलाः	देवघर
राज्यः	झारखण्ड

कौशल्या देवी बताती हैं कि अपने पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना में सड़कों का निर्माण, कुँओं की खुदाई और कुछ शौचालयों के निर्माण कराने का काम करवाया था। इस पूरे काम में उन्हें पंचायत सेवक, प्रखण्ड स्तर के अधिकारियों के सहयोग के अतिरिक्त अपने पति का मार्गदर्शन मिला। अपने पहले कार्यकाल का एक रोचक अनुभव बताते हुये कौशल्या देवी बताती हैं कि पूरे प्रखण्ड़ के 14 ग्राम पंचायतों में स्वीकृतियों के आधार पर उनके ग्राम पंचायत का 13वाँ नंबर था। ग्राम पंचायत के केवल 4 परिवारों (2 अनुसूचित जनजाति और 2 सामान्य वर्ग के) को ही सामाजिक सुरक्षा योजन के अन्तर्गत पेंशन की स्वीकृति दी गयी थी। उस दौरान जिले में एक तेज–तर्रार आई0ए0एस0 जिला उपायुक्त के रूप में पदस्थ थे। उनके कड़े व्यवहार के कारण उनसे बात करने की हिम्मत कम ही लोगों की होती थी और उनके निर्णय पर कोई सवाल नहीं उठाता था।

ग्राम पंचायत गहुआ में सड़क निर्माण

कौशल्या देवी ने बताया कि एक बार उनके द्वारा यह निर्णय लिया कि कुछ ग्राम पंचायतों में एक सामाजिक सुरक्षा योजना के तहत पेंशन का बंटवारा किया जायेगा। इसके लिये केवल चार ग्राम पंचायतों का ही चयन किया गया। उसके बाद हुई एक बैठक में कौशल्या देवी ने उपायुक्त महोदय के निर्णय पर सवाल उठाते हुये कहा कि 'जिन लोगों के सर पर पहले से तेल लगा है उन पर आपने और तेल ड़ाल दिया जबकि हमारी पंचायत में रहन वाले लोगों का सर सालों से सूखा पड़ा हुआ है।' इस पर उपायुक्त महोदय ने उनके पंचायत का नाम पूछते हुये उसके बारे में पूरी जानकारी ली। इस घटना के बाद ग्राम पंचायत के लगभग 300 परिवारों को विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत लाभ दिया गया।

कौशल्या देवी बताती हैं कि उनके पति बहुत पहले से सामाजिक कार्यों से जुड़े रहे हैं। इसी प्रेरणा को आगे बढ़ाने के लिये उन्होंने राजनीतिक जीवन में प्रवेश किया है। कौशल्या देवी के पति, जो बात–चीत के दौरान उनके साथ ही बैठे थे, ने बताया कि उन्होंने कुछ–कुछ झारखण्ड़ पंचायती राज अधिनियम पढ़ा है और इसी के आधार पर उनके द्वारा कौशल्या देवी को सहयोग भी दिया जा रहा है।

अपने वर्तमान कार्यकाल के बारे में चर्चा करते हुये कौशल्या देवी ने बताया कि अभी ग्राम पंचायत में महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना और 14वें वित्त आयोग के आधार पर मिल रही राशि से निर्माण का काम कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा आंगनबाड़ी से मिलने वाले आहार, शाला प्रबंधन समिति की बैठकों और शिक्षा के विकास के लिये प्रयास किया जा रहा है। इसके लिये ड्रॉप आउट होने वाले बच्चों पर विशेश ध्यान दिया जा रहा है।

ग्राम पंचायत के मुखिया के रूप में अपनी क्षमताओं के विकास को लेकर की गयी चर्चा के दौरान कौशल्या देवी ने बताया कि उन्हें चार –पाँच बार प्रशिक्षण कार्यक्रमों में जाने का मौका मिला है (पंचायत प्रशिक्षण संस्थान, जसीडीह) जिसके आधार पर उनके द्वारा मनरेगा जैसे कार्यक्रमों में कामों के बंटवारे के साथ ही कामों में पारदर्शिता लाने, प्राथमिकताओं को तय करने और भ्रष्टाचार को समाप्त करने जैसे काम किये जा रहे हैं। कौशल्या देवी के अनुसार उनके दूसरे कार्यकाल में मुखिया के कामों और जिम्मेदारियों के बारे में प्रशिक्षण दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम में बताये गये अधिकांश विषयों पर उन्हें पहले ही प्रशिक्षण मिल चुका था। कौशल्या देवी का मानना है कि महत्वपूर्ण बात यह है कि स्थानीय विकास से जुड़े सभी कार्यक्रमों में मुखिया लोगों को अवश्य बुलाया जाये।

मनरेगा में डोभा निर्माण

स्वयं की क्षमताओं को बढ़ाने की बात को लेकर कौशल्या देवी का मानना है कि प्रखण्ड और जिले के स्तर के अधिकारियों से बात करने में उन्हें कोई दिक्कत तो नहीं होती है किन्तु फिर भी अधिकारियों से बात करने का तरीका सभी को आना चाहिये। कौशल्या देवी के अनुसार गॉव के विकास की योजनाओं को बनाने के कामों का भी प्रशिक्षण दिया जाना जरूरी है।